विदेशी खिलाड़ियों के बिना भी आईलीग होगी: दास

नयी दिल्ली: अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की योजना 2020-21 आईलीग सत्र के आयोजन की है, फिर भले ही क्लबों के स्टार विदेशी खिलाड़ी कोरोना वायरस के चलते यात्रा पाबंदियों के कारण इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएं। कोविड-19 महामारी के कारण मार्च से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें निलंबित हैं। बंगाल चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा सोमवार को आयोजित वेबिनार में एआईएफएफ महासचिव कुशाल दास ने कहा, 'लीग का आयोजन जरूर होना चाहिए फिर चाहे यह विदेशी खिलाड़ियों के बिना हो। लेकिन लीग समिति के अध्यक्ष सुब्रत दत्ता सहित अन्य लोग भी हैं (जिनका समान विचार होने की जरूर है)।' दास ने कहा कि सीनियर राष्ट्रीय टीम के पास अगले पांच साल में मुख्य कोच के रूप में एक भारतीय होगा। उन्होंने कहा, 'हम अगले पांच साल में सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए भारतीय कोच ढूंढने पर विचार कर रहे हैं।' दास ने कहा, 'अब काफी कोच मौजूद हैं, बिबियानो फर्नांडिस उनमें से एक हैं। वेंकी

(शानमुगम वेंकटेश) जैसे लोग भी हैं जो काफी तेजी से परिपक्व हो रहे हैं।' पूर्व भारतीय खिलाड़ी वेंकटेश अभी सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक के सहायक की भूमिका निभा रहे हैं जबकि बिबियानो अंडर-16 टीम के कोच हैं। दास ने कहा, 'हम 10-12 कोचों के दल को नीदरलैंड और जर्मनी भेजने की योजना भी बना रहे हैं। यह इस साल से शुरू होना था लेकिन अब अगले साल से होगा।' दास ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) गोवा में हो सकता है क्योंकि हितधारक कई स्टेडियम वाले स्थल पर गौर कर रहे हैं और फुटबॉल का दीवाना राज्य गोवा इस पात्रता पर खरा उतरता है। कोलकाता को आईलीग के सभी मैचों की मेजबानी दी जा सकती है क्योंकि महिला अंडर-17 विश्व कप के लिए नवीनीकरण के कार्य के कारण सॉल्ट लेक स्टेडियम में आईएसएल का आयोजन नहीं हो सकता। आईएसएल में मोहन बागान और एटीके के विलय की सराहना करते हुए दास ने उम्मीद जताई कि ईस्ट बंगाल भी जल्द ही फ्रेंचाइजी आधारित इस प्रतियोगिता से जुड़ेगा। उन्होंने साथ ही भरोसा जताया कि भारत जल्द ही युवा विश्व कप के लिए अपने दम पर क्वालीफाई करेगा। टीम इससे पहले 2017 पुरुष अंडर-17 विश्व कप में मेजबान के तौर पर खेली थी और अगले महिला अंडर-17 विश्व कप में भी मेजबान देश के रूप में खेलने की तैयारी कर रही है।